बिहार विधान-सभा वादवृत्त

(भाग १—कार्यवाही प्रश्नोत्तर)

सोमवार, दिनांक ३ जुलाई, १९७८ ई०।

विषय-सूची।

	पृष्ठ
प्रश्नों के लिखित उत्तर : सभा नियमावली के नियम ४ (*ii*) के परन्तुक के अन्तर्गत सभा मेज पर रखे गये अनागत तारांकित प्रश्नोत्तर।	
प्रश्नों के मौखिक उत्तर :	
तारांकित प्रश्नोत्तर संख्या—३१४, ३१५, ३१७, ३१८, ३१९, ३२०, ३२१, ३२२, ३२३, ३२५, ३४१, ३५२, ३५६, ३७१, ४२६ एवं ४२७।	१—३१
परिशिष्ट—(१) प्रश्नों के लिखित उत्तर।	३३—३५९
परिशिष्ट—(२) प्रश्नों के लिखित उत्तर—३५४, ३५५, ३९१, ३९४, ४१० एवं ४२५।	३६१—३६४
दैनिक निबन्ध ...	३६५

टिप्पणी : जिन मंत्रियों एवं सदस्यों ने अपना भाषण संशोधित नहीं किया है उनके नाम के आगे (*) चिह्न लगा दिया गया है।

(४) क्या यह बात सही है कि विभाग के अफसरों के लाल फीताशाही के चलते अभी तक न इन्हें संपुष्ट किया गया है और न इनकी प्रोन्नति वरीय वेतनमान में ही हो पायी है;

(५) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो सरकार इनकी संपुष्टि तथा प्रोन्नति के लिये कौन-सी कार्रवाई करने का विचार रखती हैं ?

प्रभारी मंत्री (परिवहन विभाग)—(१) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(२) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(३) उत्तर नकारात्मक है। विभागीय जिला परिवहन पदाधिकारियों के दो पदों को प्रवर कोटि के वेतनमान ५१०—१,१५५ रु० में संपरिवर्तित करने के बजाय वित्त विभाग ने परामर्श दिया था कि जिला परिवहन पदाधिकारियों के संवर्ग में जो गत्यावरोध है, उसे दूर करने के लिये उच्च वेतनमान में ५१०—१,१५५ रु० के पद जो बिहार असैनिक सेवा के पदाधिकारी से भरे जाते हैं, उसे उपलब्ध कराया जा सकता है। इस संबंध में अंतिम कार्रवाई लंबित है।

(४) विभागीय पदाधिकारियों को प्रोन्नति देने तथा संपुष्ट करने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है।

(५) खंड (४) के उत्तर के बाद इसका प्रश्न ही नहीं उठता है।

सदर अनुमंडल का निर्माण।

अ-११. श्री मुनीश्वर प्रसाद सिंह—क्या मंत्री, गृह (विशेष) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि वैशाली जिलान्तर्गत महनार में प्रशासनिक दृष्टिकोण से एक सदर (सिविल) अनुमंडल बनाने को सरकार सोचती है, यदि हां, तो कबतक, यदि नहीं, तो क्यों ?

प्रभारी मंत्री, कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग—उत्तर नकारात्मक है। सरकार के सम्मुख ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है और राज्य की वित्तीय साधनों को देखते हुए सरकार अभी कोई और नया अनुमंडल बनाने का विचार भी नहीं रखती है।